हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 26 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 14 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

भिक्षावृत्ति और बालश्रम पर सख्त हुई डीएम दून डॉ आर राजेश कुमार नज़र, दिखने लगा असर 3

चम्पावत में बरसी मुख्यमंत्री धामी की धनवर्षा, 42 योजनाओं की दी सौगात

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चंपावत में आयोजित चम्पावत एवं लोहाघाट विधानसभाओं की कुल एक अरब तीन करोड़ सत्तर लाख चौवन हजार रुपये (10370.54 लाख) की लागत की कुल 42 (19$23) योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। जिसमे चम्पावत की 9 योजनाओं का लोकार्पण व 14 योजनाओं का शिलान्यास के साथ ही लोहाघाट विधानसभा की 3 योजनाओं का लोकार्पण व 16 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जिले के विकास हेतु अनेक घोषणाएं की गई। जिसमें जिले के 100 सरकारी विद्यालयों का रूपांतरण किया जाएगा। नाबार्ड मद से औद्योगिक विकास किया जाएगा। मुंडयानी में उद्यान फॉर्म बनाया जाएगा। चंपावत में एडवेंचर पार्क का निर्माण, चंपावत में शूटिंग रेंज बनाया जाएगा जिस हेतु जिलाधिकारी भूमि का चयन करेंगे। उनके द्वारा जिला मुख्यालय में पुस्तकालय हेतु अपनी विधायक निधि से ₹10 लाख की घोषणा की गई। इसके साथ ही चंपावत का हेरिटेज सिटी के रूप में निर्माण किया जाएगा। जिले में राष्ट्रीय रिवर राफ्टिंग का आयोजन व पैराग्लाइडिंग के क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। साथ ही पूर्णागिरि राफ्टिंग क्षेत्र में राफ्टिंग का आयोजन कराया जाएगा। जिले के टनकपुर से घाट राष्ट्रीय राजमार्ग के विभिन्न स्थानों पर 7 हिलांस आउटलेट का निर्माण किया जाएगा। चंपावत- एक हथिया नौला- मायावती ट्रैक रुट का निर्माण कराया जाएगा। राजबुंगा किले का पर्यटन की दृष्टि से विकास किया जाएगा। सिप्टी वाटरफॉल का सौंदर्यीकरण एवं सड़क निर्माण आदि का कार्य किया जाएगा। घाट-पंचेश्वर सड़क सौंदर्यीकरण व निर्माण कार्य किया जाएगा।

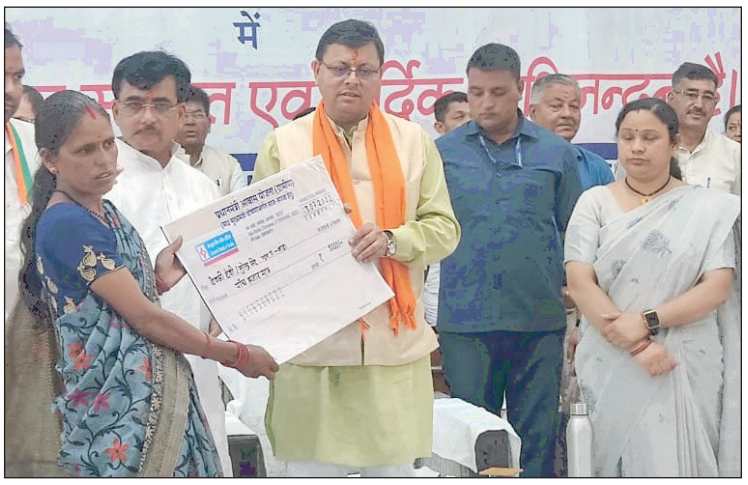

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा चंपावत जिले के नव सृजित पुल्ला गुमदेश उप तहसील के संचालन का ऑन लाइन शुभारंभ भी किया, उप तहसील पुल्ला गुमदेश का संचालन प्रारंभ हो गया है। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा सरकार द्वारा संचालित विकासपरक योजनाओं के स्टाल भी लगाए गए जिनका मुख्यमंत्री द्वारा निरीक्षण भी किया गया। तथा विभिन्न प्रगतिशील काश्तकार से वार्ता भी की। उन्होंने स्थानीय फलों के साथ ही बद्री गाय की छाछ का भी स्वाद लिया,तथा किसानों के उत्पादों को सराहा।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में जनसभा कार्यक्रम को भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रीय आजीविका मिशन में समूह गठन के लिए समूह की आजीविका संबंधी गतिविधियों के प्रोत्साहन हेतु आठ समूह लाभार्थियों को चेक वितरित किए गए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री घोषणा में आवास निर्माण कार्य पूर्ण होने पर लाभार्थियों चंद्रकला, लीलावती, रामचंद्र जोशी, देवकी देवी, सुंदर सिंह, रेखा देवी, ममता देवी, हेमा देवी को ₹5000 की धनराशि के चेक साज-सज्जा हेतु प्रदान किए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ग्रामीण योजना अंतर्गत प्रति लाभार्थी को प्रथम किस्त ₹6000, द्वितीय किस्त 4000 व तृतीय किस्त 3000 की धनराशि के चेक प्रदान किए। साथ ही स्वास्थ्य संवर्धन योजना अंतर्गत ओपन जिम स्थापित किए जाने हेतु युवक मंगल दल के अध्यक्षों को मुख्यमंत्री द्वारा ₹ 17960 के धनराशि के चेक वितरित किए गए। स्वावलंबन योजना अंतर्गत महिला मंगल दलों के अध्यक्षों को कुल 626 युवक एवं महिला मंगल दलों को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से दलों की आवश्यकता अनुसार सामग्री आदि के क्रय करने एवं स्वरोजगार उत्पन्न करने के उद्देश्य से प्रति दल को ₹14268 की धनराशि चेक वितरित किए गए।खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अंतर्गत कमला देवी, कविता देवी, दीपा देवी, हीरा देवी व चंचला देवी को उज्जवला योजना के अंतर्गत निशुल्क गैस कनेक्शन वितरित किये गए।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास की शुरुआत जनपद चंपावत से की जाएगी जिससे उत्तराखंड उत्कृष्ट राज्य बनेगा। यह 100 दिन सरकार का समर्पण और प्रयास का रहा है। हम उत्तराखंड प्रदेश को पूरे देश में अग्रणी राज्य बनाने के साथ ही उत्तराखंड राज्य सरकार विकास की आधारशिला रखने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा वे हमेशा चंपावत वासियों के बीच रहकर यहां की जनता की सेवा करते रहेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 को 2030 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य : पुष्कर सिंह धामी

आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में बालवाटिका का शुभारम्भ एक नया अध्याय : धन सिंह रावत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की शुरुआत करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। बेहतरीन शिक्षा का वातावरण बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय भवन का लोकार्पण एवं एस.सी.ई.आर.टी भवन का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जिन आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति जीर्ण-शीर्ण हो रही है, उनकी मरम्मत की जायेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत बाल वाटिका के शुभारम्भ करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एक नया क्रान्तिकारी परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति नौनिहालों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेगी। यह शिक्षा नीति भारतीय सनातन ज्ञान और विचार की समृद्ध परंपरा के आलोक में तैयार की गई है, जो प्रत्येक व्यक्ति में निहित रचनात्मक क्षमताओं के विकास पर विशेष जोर देती है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों को सबसे पहले संस्कार माता-पिता से मिलते हैं, उसके बाद उनके व्यक्तित्व निर्माण में पूरी भूमिका शिक्षकों की होती है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 को 2030 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग से अपेक्षा की है कि विभाग द्वारा 2025 तक शिक्षा के क्षेत्र में कुछ ऐसे कार्य किये जाएं, जो देश में एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत हों। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को लक्ष्य दिया गया है कि 2025 में जब उत्तराखण्ड राज्य स्थापना दिवस की रजत जयंती मनाएगा, सभी विभाग अपनी कुछ विशेष उपलब्धियां धरातल पर दिखाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार विकल्प रहित संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं स्कूलों में आज से बालवाटिका का शुभारम्भ किया गया है। यह कार्यक्रम आज प्रदेश के सभी विकासखण्डों में भी आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्पराओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। योग, वेद, पुराणों, स्थानीय बोलियों एवं संस्कृत आधारित शिक्षा पर इसके तहत विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्राइवेट स्कूलों में जो पढ़ाई नर्सरी में होती थी, अब वही पढ़ाई आंगनबाड़ी एवं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को दी जायेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के पास सिर्फ पढ़ाने का कार्य हो, इसके लिए शिक्षा विभाग में सभी अन्य व्यवस्थाएं ऑनलाईन की जा रही हैं। उत्तराखण्ड में एक साल के अन्दर विद्या समीक्षा केन्द्र बनाये जायेंगे। अगले साल से स्कूलों में अंक सुधार परीक्षा का आयोजन भी किया जायेगा।

उत्तराखंड में फिल्म सिटी और फिल्म प्रशिक्षण संस्थान खोलेगी उत्तराखंड सरकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पर्यटन और तीर्थाटन के लिए देश दुनिया में फेवरेट डेस्टिनेशन मानी जाती है देवभूमि , यही वजह है कि पहाड़ की खूबसूरत वादियों में लाइट कैमेरा एक्शन का शोर खूब सुनाई देता है। महानायक अमिताभ बच्चन हों या सुपरस्टार अक्षय कुमार और अजय देवगन जैसे सितारे , पहाड़ों में बड़े बजट की फिल्मे और ओटीटी वेब सीरीज खूब शूट हो रही है। इसी को देखते हुए विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने कहा है कि उत्तराखण्ड में फिल्म सिटी के लिए भूमि का चयन कर लिया जाए और इसमें फिल्म उद्योग से सम्बन्धित अवस्थापना विकास के लिए कार्ययोजना बना लें तथा फिल्म सिटी में फिल्म शूटिंग एवं प्रोडक्शन से सम्बन्धित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये जाएं।

विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के फिल्म प्रशिक्षण संस्थान से सम्पर्क कर उनकी शाखा के रूप में फिल्म प्रशिक्षण केन्द्र उत्तराखण्ड राज्य में खोला जाए। उन्होने कहा कि पर्वतीय एवं सीमान्त क्षेत्रों में मोबाइल थिएटर के लिए सब्सिडी देने की योजना बनाई जाए। उन्होने यह भी कहा कि उत्तराखण्ड राज्य की बोली भाषा पर आधारित किसी फिल्म का चयन यदि राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के फिल्म फेस्टिवल के लिए होता है तो प्रोत्साहन के लिए विशेष सब्सिडी योजना बनाई जाए।

इधर पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का कहना है कि उत्तराखंड फिल्म शूटिंग का हब बन रहा है। मुंबई में बड़े निर्माताओं और कलाकारों के संग प्रदेश सरकार फिल्म नीति को आसान और बेहतर बनाने के लिए मीटिंग और वर्कशॉप कर रही है जिसमें बड़े बजट की फिल्मों के निर्माताओं को उत्तराखंड लाने में कामयाबी मिली है। उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद् की भूमिका भी आने वाले सालों में बेहद ख़ास होने जा रही है। वहीँ सिंगल विंडों सिस्टम ने सरकारी औपचारिकताओं को आसान तो बनाया ही है , साथ ही साथ राज्य सरकार से मिलने वाली सब्सिडी ने भी फिल्मों के बजट को आसान किया है जिसकी वजह से उत्तराखंड में हर दिन कहीं न कहीं फिल्म की शूटिंग नज़र आ जाती है।

ऑनलाइन बिल भुगतान करना पड़ रहा है महंगा, PayTM, PhonePe की कनवनिएंस फी से बचने के लिए अपनाएं ये विकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाल ही में ऑनलाइन बिल भुगतान करते वक्त पेटीएम, मोबक्विकि या फोनपे जैसे ऑनलाइन पेमेंट ऐप में कनवनिएंस फी देना पड़ रहा है। अगर आप अपना फोन रिचार्ज कराते हैं, बिजली का बिल पे करते हैं या पीएनजी आदि के बिल का भुगतान करते हैं. तो ये खबर आपके लिए है और इस बार बिल भुगतान के समय आपको ध्यान देने की जरूरत है.दरअसल, देहरादून के रहने वाले कृष्णा प्रसाद ने बताया की पहले उन्होंने 299 रुपये का फोन रिचार्ज पेटीएम के जरिये किया तो उन्हें 2 रुपये सुवधिा शुल्क के देने पड़े, उस समय उन्होने इस्पे ज्यादा ध्यान नहीं दिया। ध्यान तो उन्होने तब किया जब बिजली के बिल का भुगतान करते वक़्त पेटीएम के जरिए 30 रुपये का सुवधिा शुल्क (Convenience Fees) के न नाम से देना पड़ रहा था। आम बात है 2 रुपये छोटी रकम होती है इसलिए उसे अंदेखा भी किया जा सकता है पर 30 रुपये नहीं.

क्या है सुविधा शुल्क ? इन सालो में पहले तो नहीं लिया जाता था अब एक दम से कैसे आ गया ये सुविधा शुल्क ? दरअसल पॉपुलर पेमेंट ऐप Paytm ने पिछले दिनों मोबाइल रिचार्ज कराने वालों से सरचार्ज लेना शुरू कर दिया है। ऑनलाइन पेमेंट ऐप की तरफ से लयिा जाने वाला सुविधा शुल्क किस हिसाब से लिया जाता है, इसका कोई सटीक पैमाना नहीं है. मोबाइल रिचार्ज कराने पर यह 1 से 6 रुपये के बीच यह चार्ज करता है. चार्ज तब भी लयिा जाता है जब आप रिचार्ज पेटीएम प्लेटफॉर्म के जरिए क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड से करते हैं. इसी तरह अन्य बिल भुगतान करने पर भी पेटीएम, मोबक्विकि और फोन पे की तरफ से सरचार्ज के नाम पर सुविधा शुल्क लिया जा रहा है. कुछ मामलों में इसे 'प्लेटफार्म फी' के रूप में भी दिखाया जा रहा है.

कैसे बचा जा सकता है, सुविधा शुल्क से हम आपको बताने जा रहे है। सुविधा शुल्क (Convenience Fees) ने बिल भुगतान या मोबाइल रिचार्ज को महंगा कर दिया है. यदि आप कनवनिएंस फी नहीं देना चाहते तो आप दूसरे ऑप्शन यूपीआई से पेमेंट कर सकते हो इसमें कसिी तरह की कनवनिएंस फी नहीं ली जाती है इससे बिल पेमेंट या मोबाइल रिचार्ज आदि करा सकते हैं. इसके अलावा, आप संबंधित विभाग को चेक से पेमेंट कर सकते हैं. यह भी आपके लिए अच्छा वकिल्प हो सकता है. इसी तरह नेट बैकगि के माध्यम से बलि पे करना भी बेहतर रहेगा.

'सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज' का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया उद्घाटन

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूनिवर्सिटी ऑफ पैट्रोलियम एण्ड एनर्जी स्टडीज (यूपीईएस) में यूपीईएस द्वारा शुरू की गई आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए 'ज्योति छात्रवृति' एवं खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए 'विजय' छात्रवृति का शुभारम्भ किया। यूपीईएस द्वारा उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति एवं परम्पराओं के संवर्द्धन, संरक्षण और अध्ययन हेतु 'सेंटर फॉर कल्चर एंड आर्ट एवं भारतीय पुरातन ज्ञान को नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से 'सेंटर फॉर इंडियन नॉलेज' की स्थापना की गई है, जिनका शुभारम्भ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थित में किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में बड़े संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के आने से केवल उनमें पढ़ने वाले छात्रों का जीवन ही नहीं संवरता, बल्कि आसपास के क्षेत्र के लोगों के जीवन में भी अनेक बदलाव आते हैं। स्थानीय स्तर पर लोगों के आजीविका के संसाधन भी बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के सीमान्त क्षेत्रों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यूपीईएस द्वारा क्या योगदान दिया जा सकता है, इस दिशा में विश्वविद्यालय को ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि यूपीईएस द्वारा होनहार गरीबों एवं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए छात्रवृति की शुरूआत की गई है वह सराहनीय प्रयास है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को पूरा करने के लिए सबको कर्मयोगी बनकर कार्य करने होगा। आज दुनिया में भारत का मान, सम्मान एवं स्वाभिमान बढ़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में कोविड वैक्सीनेशन का महाअभियान चलाया गया। भारत में 192 करोड़ से अधिक कोविड टीकाकरण हुए, जबकि भारत ने 20 करोड़ वैक्सीन अन्य देशों को भी दी। शिक्षा में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाने के देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लाई गई है। उत्तराखण्ड राज्य में बाल वाटिका से इसका शुभारंभ हो चुका है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गुरू पूर्णिमा की शुभकामनाएं भी दी।

इस अवसर पर विधायक सहदेव सिंह पुण्डीर, यूपीईएस के कुलपति डॉ. सुनील राय, प्रति कुलपति डॉ. राम शर्मा, कुलसचिव मनीष मदान, डॉ. वी.के. सिंह, डॉ. गुरविन्दर विर्क, डॉ. नलिन मेहता एवं अन्य गणमान्य मौजूद थे।

भिक्षावृत्ति और बालश्रम पर सख्त हुई डीएम दून डॉ आर राजेश कुमार नज़र, दिखने लगा असर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून के जिलाधिकारी बीते कुछ महीनों में सामाजिक , संवेदनशील मुद्दों को लेकर बेहद सक्रिय और सफल नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा देहरादून जैसे बेहद अहम और व्यस्त राजधानी की जिम्मेदारी दिए जाने के बाद डॉ आर राजेश कुमार ने भी अपने अनुभव और प्रशासनिक क्षमता का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। लंबे समय से देहरादून में अवैध अतिक्रमण , अवैध खनन और सिंगल यूज प्लास्टिक पर अभियान चलाकर कामयाबी हासिल करने वाले डीएम डॉक्टर आर राजेश कुमार अब बाल भिक्षावृत्ति और बाल श्रम को खत्म करने का बीड़ा उठा चुके हैं। देहरादून के ज्यादातर प्रमुख चौराहों पर बाल भिक्षावृत्ति करने वाले बच्चों और अपराधिक प्रवृत्ति के गिरोहों की भीड़ पर अब जिला प्रशासन की सख्ती नजर आने लगी है।

यही वजह है कि अब सभी संबंधित विभागों ने मिलकर भिक्षावृत्ति और बाल श्रम को रोकने का अभियान छेड़ दिया है, जिसका नेतृत्व कुशल और अनुभवी आईएएस डॉ आर .राजेश

कुमार कर रहे हैं। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में भिक्षावृत्ति एवं बालश्रम रोकने हेतु नियमित छापेमारी किये जाने तथा इस कार्य में संलिप्त लोगों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी के निर्देशों का ही असर है कि डोईवाला, भानियावाला व जौलीग्रांट चैक में भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान चलाया गया जिसमें कुल 11 बालक बालिकाओं को टीम द्वारा रेस्क्यू कर जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस अभियान में जिला प्रोबेशन कार्यालय से संपूर्ण भट्ट रश्मि बिष्ट प्रवीण चैहान, समर्पण संस्था से मानसी मिश्रा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व मैक संस्था से शमीना, चाइल्ड लाइन से जसवीर रावत, बचपन बचाओ आंदोलन से सुरेश उनियाल, रेलवे चाइल्ड लाइन से सविता, आसरा ट्रस्ट से सुरेश, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट से धर्मेंद्र, व रचना, डोईवाला थाने से शशिकांत, हंसराज आदि मौजूद रहे ।

जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार ने बताया कि जनपद में भिक्षावृत्ति एवं बालश्रम रोकने हेतु नियमित छापेमारी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए है, तथा इसमें संलिप्त लोगों पर निर्धारित प्राविधानों के अनुरूप सख्त कार्यवाही की जाएगी। साथ ही जो बालक/बालिकाएं भिक्षावृत्ति करते पाए गए है उनके परिजनों से सम्पर्क करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उनको उनके परिजनों के सुपुर्द्ध करते हुए मूल राज्य को भेजा जाएगा।

सैन्य धाम सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट, निर्माण कार्य अवरुद्ध न हो : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राजधानी देहरादून के गुनियाल गांव में निर्माणाधीन सैन्य धाम के निर्माण कार्य का जायज़ा लेने सैन्य धाम पहुँचे सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि किसी भी स्थिति में सैन्य धाम का निर्माण कार्य अवरुद्ध न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रतिदिन मॉनिटरिंग के लिए एक नोडल ऑफिसर नियुक्त करने के आदेश भी दिए।

मंत्री ने बताया कि सैन्य धाम निर्माण हेतु 4 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की जा चुकी है, जिसमें निर्माणदायी संस्था द्वारा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने निर्माणदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जमीन की फेन्सिंग करवाते हुए काम तेज़ी से हो। मंत्री ने सैनिक कल्याण विभाग एक राजस्व विभाग के अधिकारियों को कहा कि मानचित्र एवं पहुँच मार्ग की समस्या का समाधान एक सप्ताह में पूर्ण करें।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण सचिव दीपेन्द्र चौधरी, अपर सचिव बीएस धर्मसत्तू, संयुक्त सचिव सुनील सिंह, अनु सचिव निर्मल कुमार, उपजिलाधिकारी सदर नरेश दुर्गापाल, तहसीलदार रमन रांगड, उप निदेशक सैनिक कल्याण कर्नल एमएस जोधा, पेयजल निर्माण निगम से ईई रविंद्र कुमार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक पुण्डीर, बीर सिंह चौहान, अनुराग सिंह आदि उपस्थित रहे।

सेहत के राज़ : जानलेवा है खाने में ऊपर से नमक डालना

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सिचुएशन चाहे जो भी हो, नमक की जरूरत सभी को होती है। लेकिन, नमक जरा भी कम हो जाए तो स्वाद बिगाड़ देता है और थोड़ा-सा ज्यादा हो जाए तो सेहत।

इसलिए इस थ्योरी को अपना लें

जिंदगी में नमक कम नहीं होना चाहिए, खाने की प्लेट में कम ही रहे तो अच्छा

11 जुलाई को एक नई रिसर्च यूरोपियन हार्ट जनरल में पब्लिश हुई है। जिसके मुताबिक, जो लोग अपने खाने में रेगुलर ऊपर से नमक मिलाते हैं, उन लोगों में समय से पहले मौत का खतरा आम लोगों के मुकाबले 28% ज्यादा होता है। यह रिसर्च 5 लाख लोगों पर की गई है।

इससे पहले इंग्लैंड के जर्नल 'न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन' की एक रिसर्च बताती है कि दुनिया में सबसे ज्यादा नमक हम भारतीय खाते हैं। नमक में सोडियम और पोटेशियम दोनों होता है। सोडियम इंसान के शरीर में पानी का सही लेवल बनाने से लेकर ऑक्सीजन और दूसरे पोषक तत्व सभी ऑगर्न तक पहुंचाने में मदद करता है। इसकी वजह से हमारी नर्व (तंत्रिका) में एनर्जी आती है।

सवाल- एक दिन में कितना नमक खाना चाहिए?

जवाब- आम भाषा में समझें तो आपको सिर्फ 5 ग्राम नमक खाना चाहिए। और भी सरल तरीके से समझना है तो यह बात याद रखें कि आपके हर खाने में एक छोटा चम्मच नमक ही होना चाहिए।ये भी याद रखें कि एक दिन में आपको 2.3 ग्राम ही सोडियम लेना चाहिए, जोकि आपको 5 ग्राम नमक में मिल जाता है।कुछ लोगों की आदत होती है कि वो खाने में ऊपर से एक्सट्रा नमक छिड़ककर खाते हैं। तो चलिए समझते हैं कि ऐसा करना ठीक है या नहीं।खाने के ऊपर से ज्यादा नमक डालकर खाना खतरनाक है।इसकी वजह से हार्ट और किडनी से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।सर्कुलेटरी सिस्टम (संचार प्रणाली) और नर्वस सिस्टम (तंत्रिका तंत्र) को भी नुकसान पहुंच सकता है।ऊपर से नमक छिड़ककर खाने की लत लग जाती है। जैसे कोई नशा हो। कुछ समय बाद आप ऊपर से नमक डाले बगैर खाना नहीं खा पाते हैं।

सवाल- दाल और सब्जी के साथ पका हुआ नमक, ऊपर से छिड़के हुए नमक से ज्यादा बेहतर होता है, कैसे ?

जवाब- जब नमक खाने के साथ पक जाता है तो इसके आयरन का स्ट्रक्चर बदल जाता है और आपकी बॉडी इसे जल्दी अब्जॉर्ब कर लेती है। कच्चा नमक, जिसे आप ऊपर से डालकर या छिड़ककर खाते हैं उसका स्ट्रक्चर नहीं बदलता है। इसलिए बॉडी इसे बहुत धीरे अब्जॉर्ब कर पाती है। जिसकी वजह से कच्चा नमक हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर का कारण बनता है।

जाने दुनिया के सबसे छोटे देश के बारे में, कुल 30 लोगों की आबादी वाला है ये देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

क्या आपको पता है दुनिया का सबसे छोटा देश कौन सा है अगर नहीं पता तो अब आपको पता चल जाएगा आज हम आपको विस्तार से दुनिया के सबसे छोटे देश के बारे में बताएँगे और बताएँगे कैसे इससे सबसे छोटा देश घोषित किया गया है। वर्ल्ड पॉपुलेशन डे के मौके पर UN ने अपनी पॉपुलेशन रिपोर्ट में बताया कि दुनिया की आबादी 8 बिलियन पहुंचने के करीब है. इस रिपोर्ट में यह भी अनुमान बताया गया है कि अगले वर्ष 2023 तक भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा. हालांकि, दुनिया में कई ऐसे देश भी हैं जो कम जनसंख्या से जूझ रहे हैं. बुल्गारिया, लिथुआनिया समेत कई देश पॉपुलेशन डिक्लाइन का भी सामना कर रहे हैं. बहरहाल, आज हम आपको बताने जा रहे हैं उस देश या माइक्रोनेशन के बारे में, जो क्षेत्रफल और आबादी की दृष्टि से दुनिया का सबसे छोटा देश है.

क्या होता है माइक्रोनेशन हम जिस देश की बात करने जा रहे हैं वो एक माइक्रो देश है. माइक्रो देश वे देश कहलाते हैं जो बहुत छोटे होते हैं इनको UNO भी देश के रूप में मान्यता नहीं देता. इसी तरह का एक राष्ट्र अमेरिका के नेवादा राज्य में है, जिसे लोग 'रिपब्लिक ऑफ मोलोसिया' के नाम से जानते हैं. ये विश्व में किसी भी राज्य की सीमाओं के भीतर अकेला एक संप्रभु देश है. इसे मोलोसिया गणराज्य के रूप में जाना जाता है और इसमें वह सब कुछ है जिसकी आप एक राष्ट्र से अपेक्षा करते हैं.

बेहद छोटा है रिपब्लिक ऑफ मोलोशिया मोलोसिया दो एकड़ से भी कम भूमि को कवर करता है. यह नेवादा के डेटन स्थित कार्सन नदी के किनारे बसा हुआ है. देश की स्थापना 1977 में हुई थी और इसे मूल रूप से ग्रैंड रिपब्लिक ऑफ वल्डस्टीन कहा जाता था. इसका नाम 1998 में लगभग 20 साल बाद किंगडम ऑफ मोलोसिया कर दिया गया. कौन हैं मोलोसिया के शासक मोलोसिया के शासक हैं केविन बॉग, जिन्होंने अपने एक दोस्त के साथ इस राष्ट्र की स्थापना की थी. बॉग को विभिन्न आयोजनों में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते देखा जा सकता है. मोलोसिया गणराज्य में फ्रेंडशिप गेटवे, बैंक ऑफ किकैसिया और मोलोसियन सरकारी ऑफिस मौजूद हैं. विजिटर्स मोलोसिया का दौरा कर सकते हैं मगर उसके लिए पहले वेबसाइट पर उपलब्धता चेक करनी होगी.

भाषा, करेंसी और आबादी मोलोसिया की मुद्रा वैलोरा है. यहां की राष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी है. हालांकि, लोग एस्पेरांतो और स्पेनिश में भी बातचीत करते हैं. देश की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, देश की कुल जनसंख्या 30 व्यक्ति है. इसके अलावा 4 कुत्ते भी देश में रहते हैं. देश की कुल साक्षरता 75 प्रतिशत है. आधिकारिक तौर पर ये है सबसे छोटा देश चुकी रिपब्लिक ऑफ मोलोसिया को अभी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली है. इस कारण से आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे छोटा देश वेटिकन सिटी है, जिसका क्षेत्रफल 0.44 वर्ग किलोमीटर है और यहां की जनसंख्या 800 है.

कांवड़ यात्रा क्षेत्र में संचालित होंगे 40 चिकित्सा सुविधा केंद्र : डॉ0 धन सिंह रावत

एसपीएस अस्पताल ऋषिकेश में शीघ्र तैनात होगा सर्जन : धन दा

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने निर्देश दिए हैं कि कावड़ यात्रा में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का चाक-चौबंद रखा जाय। यात्रा के दौरान जरूरतमंदों को तत्काल स्वास्थ्य सुविधा सुनिश्चित की जाय। कांवड यात्रा क्षेत्र में संबंधित जनपदों के मुख्य चिकित्साधिकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर कड़ी निगरानी रखेंगे। यात्रा क्षेत्र में 40 चिकित्सा सुविधा केन्द्र संचालित होंगे, जिनमें स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। बरसात में डेंगू का ख़तरा बढ़ जाता है, डेंगू संक्रमण से बचने के लिये अभी से प्रभावी कदम उठाये जाये। डेंगू के मरीजों का प्राथमिकता के साथ उपचार करें। एसपीएस अस्पताल ऋषिकेश में शीघ्र सर्जन की तैनाती की जायेगी। आईसीयू यूनिट संचालन के लिये 10 स्टॉफ नर्स व चार वार्ड ब्वॉय तैनात किये जायेंगे।

सूबे के स्वास्थ्य मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने एसपीएस राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश में कांवड़ यात्रा को लेकर आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कई निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कांवड़ यात्रा शीघ्र शुरू होने वाली है, ऐसे में विभागीय अधिकारी अलर्ट मोड़ पर रहे। डॉ0 रावत ने मुख्य चिकित्साधिकारी देहरादून, टिहरी एवं हरिद्वार को कांवड़ यात्रा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि तीनों जनपदों के अंतर्गत कावड़ यात्रा क्षेत्र में 40 चिकित्सा सुविधा केन्द्र संचालित किये जायेंगे। जिसमें से 25 हरिद्वार जनपद जबकि 15 चिकित्सा सुविधा केन्द्र टिहरी व पौड़ी जनपद में संचालित किये जायेंगे। जिसमें दो बेड रिसर्व रखे जाय ताकि किसी भी परिस्थिति में श्रद्धालुओं को उचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

डॉ0 रावत ने बताया कि चिकित्सा सुविधा केन्द्र में चिकित्सक, फार्मासिस्ट व वार्ड ब्वॉड तैनात होंगे। चिकित्सा केन्द्र में सभी प्रकार की दवा, मरहम पट्टी, एंटी रैवीज इन्जेक्शन, ऑक्सीमीटर, नैबुलाइजर की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विभागीय मंत्री ने आकस्मिक सेवाओं के लिए एंबुलेंस और 108 वाहन तैनात करने के साथ-साथ भीड़-भाड वाले क्षेत्रों में बाइक एम्बुलेंस तैनात करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारियों को दिये। बैठक में ऋषिकेश नगर निगम की महापौर अनीता ममगाई, सीएमओ देहरादून डॉ0 मनोज उप्रेती, सीएमओ टिहरी डॉ0 संजय जैन, सीएमओ हरिद्वार डॉ0 खगेन्द्र कुमार सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बारिश के बाद बदरीनाथ हाईवे का 30 मीटर हिस्सा ध्वस्त, बड़े वाहनों की आवाजाही बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत बदरीनाथ हाईवे पर पुरसाड़ी में निर्मित सीमेंट की दीवार एक बरसात भी नहीं झेल पाई है। मंगलवार रात हुई बारिश के दौरान 30 मीटर दीवार के साथ हाईवे ध्वस्त हो गया। बुधवार को करीब तीन घंटे तक यहां हाईवे बाधित रहा। सुबह करीब दस बजे पहाड़ी काटकर छोटे वाहनों की आवाजाही शुरू कराई गई। हाईवे पर कई जगह पुश्ते धंस गए हैं।

बदरीनाथ हाईवे पर एनएचआईडीसीएल (राष्ट्रीय राजमार्ग एवं ढांचागत विकास) की ओर से चौड़ीकरण और डामरीकरण कार्य किया गया। पुरसाड़ी के समीप पुराने पुल के समीप नया पुल बनाया गया है। हाल ही में पुल की एप्रोच रोड सीमेंट से बनाई गई थी। मंगलवार रात की बारिश में 30 मीटर दीवार और हाईवे क्षतिग्रस्त हो गया।

एनएचआईडीसीएच महाप्रबंधक संदीप कार्की ने बताया कि भारी बारिश के कारण दीवार क्षतिग्रस्त हुई है। आगामी चार साल तक ठेकेदार के पास दीवार निर्माण और रखरखाव की जिम्मेदारी है। जहां-जहां हाईवे को नुकसान हुआ है, वहां सुधारीकरण कार्य किया जाएगा।

वहीं, चमोली जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली 51 सड़कें बंद पड़ी हैं। यह सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों को बाजार और कस्बों से जोड़ती हैं। सड़कों के बंद होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन सड़कों से करीब 150 गांव जुड़े हैं।

जगह-जगह पुश्ते टूटने और भारी मलबा आने से सड़कों को खोलने में काफी समय लग रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत दूरस्थ क्षेत्र के गांवों के लोगों को उठानी पड़ रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी ने बताया कि सड़कों को खोलने के लिए जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। कई सड़कों को खोल दिया गया था लेकिन बारिश होने पर सड़कें दोबारा बंद हो गई हैं।

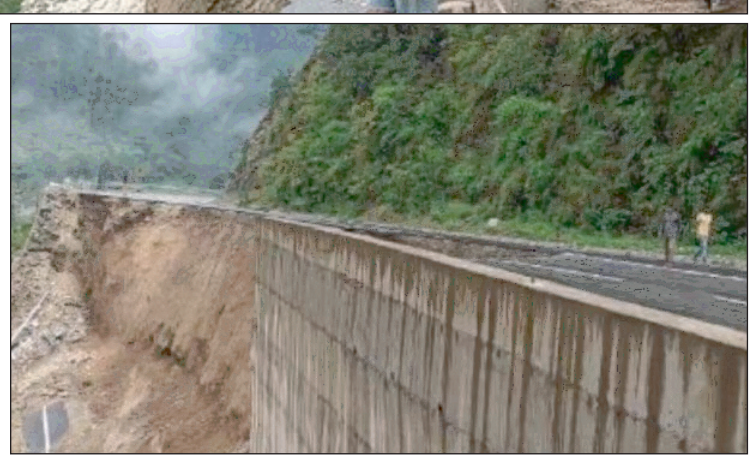

12वीं के बाद कौन से कॉलेज में जाए इसकी है टेंशन? यहां देखें बेस्ट कॉलेज की लिस्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

वैसे तो इस जनरेशन के बच्चे एडवांस में ही तैयारी कर के चलते है की उनको क्या बनना है। वह पहले से प्लनेड कर के चलते है अपनी हर चीजों को पर फिर भी कहीं न कहीं उनको अपना कॉलेज चयन करने में परेशानी जरूर आती है इसलिए हम लाए है बेस्ट कॉलेज की लिस्ट जिससे आपको आपका कॉलेज चयन करने में थोड़ी मदद मिलेगी।

देश भर के अलग अलग राज्यों के बोर्ड द्वारा 10वीं बोर्ड परीक्षा और 12वीं बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट को जारी किया जा चुका है. हालांकि सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट का अब भी इंतजार जारी है. 12वीं पास छात्रों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि उनके लिए कौन सा कोर्स बेस्ट है. साथ ही कौन सा कॉलेज उनके लिए बेस्ट होगा. ऐसे में हम आपको ऐसे कॉलेजों के बारे में बताने वाले हैं जो साइंस, आर्ट्स और कॉमर्स स्ट्रीम के लिए काफी अच्छे हैं. यहां जानें बेस्ट कोर्सेस और उनके लिए बेस्ट कॉलेजों की संख्या.

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस

मेडिकल फील्ड में अच्छे कॉलेज तलाश रहे छात्र ध्यान दे कि AIIMS से अच्छे कॉलेज का विकल्प देश में नहीं है. अगर आप मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो यह कॉलेज 12वीं के बाद आपके लिए अच्छा ऑप्शन है.

हिंदू कॉलेज : यह कॉलेज साइंस और आर्ट्स दोनों के लिए ही बेहतरीन कॉलेज है. 12वीपास कर चुके छात्र जो आर्ट्स या साइंस के क्षेत्र में करियर के विकल्प तलाश रहे हैं वे इस कॉलेज में दाखिला ले सकते हैं. यह कॉलेज दिल्ली में स्थित है.

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स

यह कॉलेज कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के लिए अच्छा विकल्प है. 12वीं पास कर चुके छात्र इस कॉलेज में दाखिला ले सकते हैं.

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन

कक्षा 12वीं की पढ़ाई के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्र ध्यान दें कि आप IIMC में एडमिशन करा सकते हैं. पत्रकारिता के क्षेत्र में इस संस्थान की काफी अहम भूमिका रही है.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी

अगर आप फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाने की तलाश कर रहे हैं तो आप NIFT में दाखिला ले सकते हैं जो देश के बेस्ट कॉलेजों में से एक है.

उत्तराखंड अनुसूचित जाति आयोग की बैठक में निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में अध्यक्ष (राज्य मंत्री) उत्तराखंड अनुसूचित जाति आयोग मुकेश कुमार ने जनपद देहरादून में अनुसूचित जाति हेतु संचालित समस्त विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देहरादून झरना कमठान सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। अध्यक्ष ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तराखंड अनुसूचित जाति आयोग की अगली बैठक में सभी अधिकारी अपने-अपने विभागों के अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थियों की सूची तथा विस्तृत विवरण प्रस्तुत करेंगे।

अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों को पारदर्शिता तथा प्रभावी ढंग से मिलना चाहिए। कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। उन्होंने समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों से उनके विभागों द्वारा अनुसूचित वर्ग के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी ली। मा0 अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति वर्ग के लिए संचालित योजनाओं की प्रगति का प्रभावी अनुश्रवण किया जाना चाहिए। विभागों में सेवायोजन के संबंध में आरक्षण के नियमों का पालन किया जाना चाहिए।

अनुसूचित जाति के लिए संचालित योजनाओं का ब्लॉक, तहसील तथा ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए। इसके लिए प्रत्येक विभाग में नोडल अधिकारी निर्धारित किए जाने चाहिए। ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को योजनाओं के प्रचार प्रसार में लगाया जाना चाहिए, ताकि धरातल स्तर पर योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को मिल सकें। होम स्टे, हॉर्टिकल्चर, पर्यटन विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं का लाभ अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को व्यापक स्तर पर मिलना चाहिए।

बारिश बनी काल : अचानक उफनाया नाला, तेज सैलाब में बह गईं दो सगी बहनें, एक का शव बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में बुधवार को बारिश में उफनाए बरसाती नाले में दो सगी बहनें बह गईं। करीब तीन घंटे बाद बड़ी बहन का शव बरामद हो गया जबकि छोटी बहन की तलाश में पुलिस और एसडीआरएफ की टीमें लगी हुई हैं। देर शाम तक छोटी बहन का पता नहीं चल पाया था। पुलिस ने बड़ी बहन के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

हादसा रायपुर थाना क्षेत्र के तरला आमवाला का है, जहां कुछ लोग बस्ती में झुग्गी झोंपड़ी बनाकर रहते हैं। यहीं पर नाले के किनारे झोंपड़ी के पास दो सगी बहनें खुशी (आठ वर्ष) और रचना (छह वर्ष) पुत्री सुनील पासवान खेल रही थीं।

अचानक नाले में पानी का तेज बहाव आया और दोनों बहनों को अपने साथ बहा ले गया। आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद रायपुर थाने से पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया तो करीब तीन घंटे बाद खुशी का शव एक खेत से बरामद हो गया जबकि, रचना की तलाश में टीमें लगी हुई हैं। एसपी सिटी सरिता डोभाल ने बताया कि सुनील का परिवार लक्खीबाग में रहता है।

सुनील मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है। यहां पर ये दोनों बहनें अपनी नानी के यहां रहती थीं। घटनास्थल और आसपास प्रकाश की व्यवस्था की गई है। रात में भी ऑपरेशन जारी रहेगा।

नाले में बही बहनों को तलाश करती एसडीआरएफ की टीम

बच्चियों के पिता सुनील पासवान लक्खीबाग में रहते हैं। उनकी पत्नी रचना के जन्म के बाद अपनी दोनों बेटियों को लेकर आमवाला में अपनी मां के यहां आ गई थी। बताया जा रहा है कि सुनील यहां पर नहीं आता था। परिवार में ये दो ही बच्चियां थीं।

दरअसल, कई झुग्गी झोंपड़ियां इस नाले के किनारे बनी हुई हैं, जिस जगह हादसा हुआ वहां पर कई परिवार बर्तन धोते हैं। ये दोनों बच्चियां भी बुधवार को बर्तन धोने वाली जगह पर ही खेल रही थीं। तभी पानी के तेज बहाव से वह हिस्सा टूटा और दोनों बच्चियां बह गईं। कुछ दूरी पर ही पानी के तेज बहाव से एक खेत की मेड़ भी टूट गई है। इसी खेत से एसडीआरएफ और पुलिस ने खुशी का शव बरामद किया है।

संपादकीय

पूर्वोत्तर भारत के साथ बढ़े जुड़ाव

पहली बार राष्ट्रीय राजधानी में आकर जनजातियों के बारे में आयोजित विमर्श में शामिल होना मेरे लिए गर्व की बात है. इस कार्यक्रम में शामिल होते हुए मेरे मन में सवाल आ रहा था कि यह 1947 के बाद थोड़ा जल्दी हुआ होता, तो जनजातियों के साथ सोच-विचारों को, देश के साथ मिलकर जाने में इतना मुश्किल नहीं होता. यह हमारे भावनाओं से जुड़ा हुआ विषय है. अगर हम अपने विषय में अपने सोच-विचार को बतायेंगे, तो आप कहेंगे नागालैंड भाजपा के अध्यक्ष हैं, तो अपने एजेंडे की बात कह रहे हैं. लेकिन, ऐसा नहीं है. हम एक हिंदुस्तानी के तौर पर कह रहे हैं. साल 1999 में मैं ताज महल देखने गया था. उस समय आम देशवासियों की पंक्ति में मैं खड़ा हो गया. लंबी लाइन से होते हुए जब टिकट काउंटर पर पहुंचा, तो दो आदमी आये और मुझे दूसरी लाइन में लेकर चले गये. उस समय वहां प्रवेश शुल्क के तौर पर 20 डॉलर लेते थे. उस समय तक तो मैं 20 डॉलर देखा भी नहीं था, मेरे पास था भी नहीं. मुझे वहां लोगों को बहुत समझाना पड़ा कि मैं हिंदुस्तानी हूं और नागालैंड से हूं. जब मैंने बोला कि मैं नागालैंड से हूं, तो किसी ने यह भी पूछा कि कौन से लैंड से हो. स्विटजरलैंड, फिनलैंड या कहां से हो. मैं उस दिन को नहीं भूलता और आज इस दिन को भी कभी नहीं भुलूंगा. आज जनजातियों, पूर्वोत्तर के बारे में लोगों का विचार बदला है. हम एक साथ आगे आ रहे हैं. अपनी बात रखने का जो हमें मंच मिला है, वह जनजातियों और पूर्वोत्तर को गौरवान्वित करनेवाला है. हम लोग छोटे-छोटे गांवों में रहनेवाले जनजाति हैं. हम पहाड़ की चोटी, जंगलों में रहनेवाले लोग हैं. आज अगर हम देखें कि हूल दिवस क्यों मनाया जा रहा है. यह जनजाति समुदाय के बलिदान का प्रतीक है. दो महिलाओं समेत 25 हजार लोगों ने देश की आजादी के लिए बलिदान दिया. हमें यह पता नहीं था कि देश की स्वाधीनता के लिए इतने लोगों ने अपने प्राणों की आहूति दी. इसी तरह हमारे राज्य नागालैंड में बारे में भी कुछ बातें कही जाती हैं, जिसके बारे में लोगों को जानकारी नहीं है. जैसेकि, सुभाषचंद्र बोस और उनकी आजाद हिंद फौज नागालैंड के रोजाजो इलाके में दाखिल हुई थी. हम नागालैंड सरकार का हिस्सा हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हमारी गठबंधन की सरकार है. यह इकरार नहीं करते कि सुभाष चंद्र बोस वहां तक आकर चले गये. वहां आज भी 100 साल की उम्र तक पहुंच रहे बुजुर्ग लोग हैं, जो बताते हैं कि उस इलाके में नेताजी के साथ जापानी सेना लड़ने आयी थी. ऐसे ही संघर्षों के चलते देश की आजादी संभव हो पायी. बहुत लोगों के लिए आजादी की कहानी चंद परिवारों का नाम लेकर खत्म कर दी जाती है. आज जब हम सुनते और जानते हैं कि इस देश की आजादी के लिए हम सभी ने कितनी भागीदारी की, हमारे पूर्वजों ने कितना संघर्ष किया, छोटे से छोटे इलाकों में अपनी स्वतंत्रता और अपने देश के लिए लोगों ने अपनी जान गंवाई. इन चीजों के बारे में हम बात क्यों नहीं कर रहे हैं. इस बारे में हम जानने की कोशिश क्यों नहीं कर रहे हैं. हमें करना चाहिए.

कोरोना : बुधवार को मिले 70 नए संक्रमित, दो मरीजों की मौत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में चार दिन बाद दो कोरोना संक्रमित मरीजों ने दमतोड़ा है। बीते 24 घंटे के भीतर 70 नए संक्रमित मिले हैं। जबकि 54 मरीज ठीक हुए हैं। कोविड सैंपल जांच के आधार पर संक्रमण दर का ग्राफ बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बुधवार को 1133 सैंपलों की जांच की गई। इसमें 1063 सैंपल निगेटिव पाए गए। छह जिलों में 70 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं। इसमें देहरादून जिले में 54, नैनीताल व ऊधमसिंह नगर में पांच-पांच, हरिद्वार में चार, अल्मोड़ा व टिहरी जिले में एक-एक संक्रमित मामले सामने आए हैं।

पौड़ी और टिहरी जिले में दो संक्रमित मरीजों की मौत हुई है। इसमें पौड़ी जिले में हुई मरीज की मौत बैकलॉग की है। प्रदेश भर में 54 मरीज स्वस्थ हुए हैं। वर्तमान में 383 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। प्रदेश की रिकवरी दर 95.74 प्रतिशत और संक्रमण दर 6.18 प्रतिशत दर्ज की गई।

राजधानी दून समेत राज्य के सभी जिलों में फिर से कोरोना संक्रमण का ग्राफ बढ़ने लगा है। इसके लिए कोई और नहीं कहीं न कहीं हम लोग ही जिम्मेदार हैं। अगर अब भी हमने सावधानी नहीं बरती तो कोरोना संक्रमण के फिर से विकराल रूप लेने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। शहर की हर गली से लेकर बाजारों तक में कोरोना गाइड लाइन की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

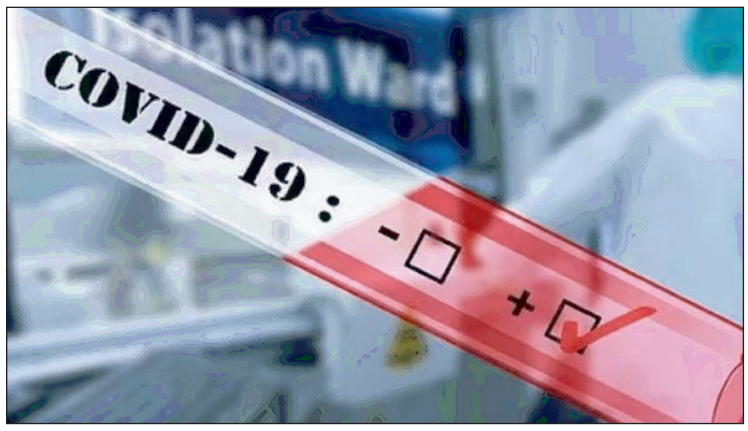

स्वास्थ विभाग के आंकड़ों पर ही नजर डालें तो एक दिन पहले राजधानी दून समेत पूरे जिले में कोरोना संक्रमण के 24 घंटे के भीतर 51 मरीज सामने आए थे जबकि पूरे प्रदेश में यह संख्या 102 थी। आज की तारीख में देहरादून जिले में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 232 है। अगर अब भी लोग नहीं चेते तो इस संख्या में दिन दूना और रात चौगुना इजाफा होने से कोई नहीं रोक सकता है। जनता की लापरवाही के चलते कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सरकार, शासन और जिला प्रशासन की ओर से किए जा रहे प्रयास बेमानी साबित हो रहे हैं।

जिलाधिकारी डॉ. आर राजेश कुमार का कहना है कि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य की ओर से तमाम कदम उठाए गए हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश जारी किए गए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाएं और ऐसे लोगों को चिह्नित करें जो बगैर मास्क के भीड़भाड़ वाले बाजारों में घूम रहे हैं। ऐसे लोगों को चिह्नित करने के साथ ही उन पर पांच सौ रुपये जुर्माना भी लगाया जाए। मै खुद भीड़भाड़ वाले बाजारों का जायजा लूंगा और यदि बाजारों में कोई भी व्यक्ति बिना मास्क के घूमता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

आज से कांवड़ मेले का आगाज, कांवड़ियों की वेशभूषा में ड्यूटी देंगे पुलिस कर्मी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गुरुवार 14 जुलाई से विधिवत कांवड़ मेला शुरू हो जाएगा। यात्रा को लेकर पुलिस और प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। हरकी पैड़ी से लेकर कांवड़ रूट पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस और सीसी कैमरों की निगरानी रहेगी। कांवड़ियों की वेशभूषा में भीड़ में रहकर पुलिस कर्मी व्यवस्थाएं संभालेंगे। शरारती तत्वों की ओर से किसी भी तरह की अफवाह फैलाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अपर पुलिस महानिदेशक अपराध एवं कानून व्यवस्था वी मुरुगेशन ने बुधवार को रोशनाबाद स्थित पुलिस लाइन सभागार में कांवड़ ड्यूटी के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की ब्रीफिंग की। कहा कि श्रावण कांवड़ मेला सकुशल संपन्न कराना बड़ी चुनौती है। कोविड महामारी के कारण दो वर्षों से कांवड़ मेला न होने के कारण इस बार बहुत अधिक संख्या में कांवड़ियों का आवागमन होगा। ड्यूटी में उपस्थित सभी पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी समन्वय बनाते हुए कांवड़ मेला संपन्न कराएं। मेला 26 जुलाई तक चलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पुलिस बल, पीएसी और अर्द्धसैनिक बल हरिद्वार पहुंच चुका है। हरकी पैड़ी से लेकर हर जगह पुलिस की निगरानी रहेगी। बैठक में पुलिस उप महानिरीक्षक गढ़वाल करन सिंह नग्नयाल, डीएम विनय शंकर पांडेय और एसएसपी डॉ. योगेंद्र सिंह रावत समेत सभी पुलिस अधीक्षक अभिसूचना के अधिकारी मौजूद रहे।

किसी भी घटना की सूचना मिलने पर वहां पहुंचने के लिए पुलिस का रिस्पांस टाइम अच्छा होना चाहिए। कर्मचारी किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रण में करने का प्रयास करेंगे। उच्चाधिकारियों को भी सूचित करेंगे। जोनल पुलिस अधिकारी एवं सेक्टर पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में संभ्रांत व्यक्तियों एवं एसपीओ के साथ मीटिंग कर वहां की व्यावहारिक समस्याओं एवं कठिनाइयों के बारे में जानेंगे।

ड्यूटी पर तैनात किए गए पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए कि कोई भी पुलिस कर्मचारी राष्ट्रीय राजमार्ग या अन्य मार्गों पर वाहनों को पार्क नहीं होने देंगे। जिन स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था की गई है, उन्हीं स्थानों पर वाहनों को भेजेंगे, जिससे जाम की समस्या उत्पन्न न हो पाए।

हरकी पैड़ी जीरो जोन क्षेत्र में कोई भी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी अपने निजी और सरकारी वाहन से नहीं जाएगा। नगर क्षेत्र में भीमगोड़ा बैरियर, पोस्ट आफिस तिराहा एवं हरकी पैड़ी के क्षेत्रों में पुलों पर तैनात पुलिसकर्मी ठेली या हाथ में सामान बेचने वालों को हरकी पैड़ी की ओर जाने से रोकेंगे। हरकी पैड़ी क्षेत्र में स्थित पुलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं होने दिया जाएगा और पुलों से नदी में छलांग लगाने वालों को रोका जाएगा।

अब गलती से भी मत बोलना ये शब्द, असंसदीय शब्दों की सूची देखिये

ऐसे शब्दों के प्रयोग को अमर्यादित आचरण माना जायेगा और वे सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं होंगे.

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सदस्य अब चर्चा में हिस्सा लेते हुए 'जुमलाजीवी', 'बाल बुद्धि सांसद', 'शकुनी', 'जयचंद', 'लॉलीपॉप', 'चाण्डाल चौकड़ी', 'गुल खिलाए', 'पिट्ठू' जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे. ऐसे शब्दों के प्रयोग को अमर्यादित आचरण माना जायेगा और वे सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं होंगे. दरअसल, लोकसभा सचिवालय ने '' असंसदीय शब्द 2021 '' शीर्षक के तहत ऐसे शब्दों एवं वाक्यों का नया संकलन तैयार किया है जिन्हें 'असंसदीय अभिव्यक्ति' की श्रेणी में रखा गया है.

संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले सदस्यों के उपयोग के लिये जारी किये गए इस संकलन में ऐसे शब्द या वाक्यों को शामिल किया गया है जिन्हें लोकसभा, राज्यसभा और राज्यों के विधानमंडलों में वर्ष 2021 में असंसदीय घोषित किया गया था. इस संकलन के अनुसार, असंसदीय शब्द, वाक्य या अमर्यादित अभिव्यक्ति की श्रेणी में रखे गए शब्दों में कमीना, काला सत्र, दलाल, खून की खेती, चिलम लेना, छोकरा, कोयला चोर, गोरू चोर, चरस पीते हैं, सांड जैसे शब्द शामिल हैं .

'अध्यक्षीय पीठ पर आक्षेप' को लेकर भी कई वाक्यों को असंसदीय अभिव्यक्ति की श्रेणी में रखा गया है. इसमें 'आप मेरा समय खराब कर रहे हैं, आप हम लोगों का गला घोंट दीजिए, चेयर को कमजोर कर दिया है और यह चेयर अपने सदस्यों का संरक्षण नहीं कर पा रही है, आदि शामिल हैं. अगर कोई सदस्य पीठ पर आक्षेप करते हुए यह कहते हैं कि '' जब आप इस तरह से चिल्ला कर वेल में जाते थे, उस वक्त को याद करूं या आज जब आप कुर्सी पर बैठें हैं तो इस वक्त को याद करूं'...तब ऐसी अभिव्यक्त को असंसदीय मानते हुए इन्हें रिकार्ड का हिस्सा नहीं माना जायेगा .

इसमें राजस्थान विधानसभा में असंसदीय घोषित कुछ शब्दों को भी रखा गया है जिसमें कांव कांव करना, तलवे चाटना, तड़ीपार, तुर्रम खां तथा झारखंड विधानसभा में असंसदीय घोषित 'कई घाट का पानी पीना, ठेंगा दिखाने का कार्य आदि शामिल है. इस संकलन में अंग्रेजी के कुछ शब्दों एवं वाक्यों को भी शामिल किया गया है जिनमें ' आई विल कर्स यू', बिटेन विद शू', बिट्रेड, ब्लडशेड, चिटेड, शेडिंग क्रोकोडाइल टियर्स, डंकी, गून्स, माफिया, रबिश, स्नेक चार्मर, टाउट, ट्रेटर, विच डाक्टर आदि शमिल हैं .

संसद के सदस्य कई बार सदन में ऐसे शब्दों, वाक्यों या अभिव्यक्ति का इस्तेमाल कर जाते हैं जिन्हें बाद में सभापति या अध्यक्ष के आदेश से रिकॉर्ड या कार्यवाही से बाहर निकाल दिया जाता है. लोकसभा में कामकाज की प्रक्रिया एवं आचार के नियम 380 के मुताबिक, 'अगर अध्यक्ष को लगता है कि चर्चा के दौरान अपमानजनक या असंसदीय या अभद्र या असंवेदनशील शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, तो वे सदन की कार्यवाही से उन्हें हटाने का आदेश दे सकते हैं.'

महिला अपराध पर विशेष ध्यान दें उत्तराखंड पुलिस : रविंद्र सिंह आनंद

पिछले कुछ समय से प्रदेश में महिला अपराध बढ़े : आप

संजय कुमार की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आम आदमी पार्टी के गढ़वाल मीडिया प्रभारी रविंद्र सिंह आनंद ने कहा की देवभूमि उत्तराखंड में पिछले कुछ समय से महिलाओं पर अपराधों की संख्या में इजाफा हुआ है यह चिंता का विषय है और इस पर पुलिस को विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा जिस प्रकार हरिद्वार जिले के रुड़की और बहादराबाद में गैंग रेप की घटनाएं सामने आई वो काफी दुखद है और अब रुद्रप्रयाग में जिस प्रकार नाबालिक लड़की को अगवा कर लिया गया यह एक हैरान कर देने वाली घटना है। इससे महिलाओं में डर की भावना उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कई घटनाएं घटित हो चुकी है और आए दिन हम कुछ ना कुछ इसी प्रकार की घटनाएं सुनते रहते हैं। इसके लिए उत्तराखंड पुलिस को एक विशेष टीम बनाकर इस प्रकार के अपराधों को रोकने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम करना चाहिए जिससे महिलाओं में डर की भावना समाप्त हो एवं अपराधी भी अपराध करने से पहले सौ बार सोचे ।

उन्होंने कहा उत्तराखंड प्रदेश महिलाओं की देन है इसलिए उत्तराखंड पुलिस को चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा हेतु विशेष अभियान चलाएं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और वह आए दिन कुछ ना कुछ अपराध करते हैं जिससे समाज में एक गलत संदेश जाता है उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पुलिस को ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए

रुद्रपुर में कार सवारों ने पुलिसकर्मी को पीटा, आग लगने से हाथ झुलसे

उत्तराखंड में रुद्रपुर पुलिस लाइन परिसर में नहीं घुसने देने पर कार सवार चार लोगों ने गेट पर तैनात पुलिसकर्मी (संतरी) पर हमला कर दिया। आरोप है कि छीना झपटी में एक बोतल में आग भी लग गई इससे पुलिसकर्मी के हाथ झुलस गए। पुलिसकर्मी को जिला अस्पताल ले जाया गया है। वहीं, हमलावरों को पकड़ लिया गया है। पुलिस लाइन के अटरिया गेट पर बुधवार को लक्ष्मण राणा (53) ड्यूटी कर रहे थे। आरोप है कि करीब साढ़े चार बजे कार सवार चार युवक वहां पहुंचे और पुलिस लाइन के अंदर जाने लगे। लक्ष्मण राणा का कहना है कि उन्हें रोककर पूछताछ की गई तो कार सवार युवक आगबबूला हो गए। इस पर चारों कार से उतरकर गेट पर शोर मचाने लगे। लक्ष्मण के मुताबिक, उन्होंने कार को रोकने के लिए टायर के नीचे एक बोतल डालने का प्रयास किया। इसी दौरान चारों युवक बोतल छीनने लगे। इतने में बोतल में आग लग गई। इससे लक्ष्मण के दोनों हाथ झुलस गए। चारों युवकों को पंतनगर थाने की पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

फिर हुआ प्रशासनिक फेरबदल, छह आईएएस और एक पीसीएस का प्रभार बदला

धामी सरकार में प्रशासनिक फेरबदल का सिलसिला जारी है। बुधवार को शासन ने छह और आईएएस अफसरों के प्रभार बदल दिए। एक पीसीएस अफसर का भी तबादला कर दिया गया। बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किए गए। कार्मिक एवं सतर्कता विभाग से जारी आदेश के मुताबिक, सचिव परिवहन तथा मुख्य सचिव के स्टॉफ ऑफिसर अरविंद सिंह ह्यांकी को आयुक्त परिवहन की जिम्मेदारी भी दे दी गई।

सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा से नियोजन का प्रभार हटा दिया गया। उनके शेष प्रभार बनाए रखे गए। अपर सचिव डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव को भी नियोजन की जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया। उनके बाकी सभी प्रभार बने रहेंगे। अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान को महानिदेशक व आयुक्त उद्योग, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखंड खादी ग्रामोद्योग बोर्ड व आयुक्त परिवहन की जिम्मेदारी से मुक्त किया गया।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा